संख्याः 279 / XXIV-3/2006/2(79)/05

प्रेषक,

एस0 के0 माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरॉचल शासन

सेवा मे,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून दिनॉक 02 जून,2006

विषयः राजीव गॉधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग, नैनीताल के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्याःनियोजन-4/2132/रा0गा0न0वि/2006-07 दिनॉक 25-4-2006 के सन्दर्भ में एवं शासनादेश संख्या 255/माध्यमिक/2004 दिनॉक 31-3-2004 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजीव गॉधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग, नैनीताल के भवन के निर्माण हेतु अनुमोदित लागत रू0 1111.77 लाख ऑकलित है। प्रश्नगत आगणन के प्रथम चरण में रू0 399.96 लाख का व्यय निहित है। जिसके सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रू0 40.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 359.96 लाख के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रू0 100.00 लाख (रूपये एक करोड मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्याः 233/ XXIV-3/2006 दिनॉक 27-04-2006 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 1200.00 लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।
प्रतिबन्ध- प्रधानाचार्य आवास को छोड़कर अन्य आवासों का निर्माण अभी प्रारम्भ नहीं किया जायेगा और प्रथम चरण के अन्त में इसे रखा जायेगा।

2- प्रश्नगत स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन हैः-

(1)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक- 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय- 01-सामान्य शिक्षा -202-माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत -- 00- 18- राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24- वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभागके अशासकीय संख्या-231/वित्त - 3/06 दिनाँक 27-5-06 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 के0 माहेश्वरी)
अपर सचिव

संख्याः 829 (1)/ XXIV-3/2006 तद्दिनाँक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
6- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
8- जिलाधिकारी, नैनीताल।
9- कोषाधिकारी, नैनीताल।
10-सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी।
11- वित्त विभाग/ नियोजन प्रकोष्ठ।
12- कम्प्यूटर सेल(वित्त विभाग)
13-एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
14- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0 के0 माहेश्वरी)
अपर सचिव

(2)— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

(3)— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मार्म है, स्वीकृत मार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(4)— एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(5) — कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(6)— कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।

(7)— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

(8)— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

(9)— निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूरा किया जाय। किसी भी दशा में आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।

(10)— निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।

3— निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के संबंधित अभियन्ता उत्तरदायी होंगें।